

पाटन के स्यालोदड़ा गांव में प्रदूषण मापन मशीन हटते ही फिर छाए धूल के गुबार

जांच के दौरान क्रशर बंद रहने से प्रदूषण के वास्तविक स्तर पर ग्रामीणों ने सवाल उठाये

पाटन, (निसं)। स्यालोदड़ा गांव में लंबे समय से बनी हुई धूल प्रदूषण की समस्या को लेकर ग्रामीणों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। कुछ दिन पूर्व प्रदूषण की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के लिए गांव में प्रदूषण मापन मशीन लगाई गई थी, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि जांच शुरू होने से करीब पांच घंटे पहले ही प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने क्रशर इकाइयों को बंद करवा दिया। इसके बाद करीब दो दिन तक मशीन से प्रदूषण की जांच की गई। इस दौरान क्रशर बंद रहने से ग्रामीणों ने जांच की निष्पक्षता और वास्तविकता पर सवाल उठाए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि जैसे ही प्रदूषण मापन मशीन गांव से हटाई गई, वैसे ही क्षेत्र में एक बार फिर धूल के गुबार छाने लगे। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि जांच के दौरान क्रशर बंद रहेंगे और मशीन हटते ही दोबारा धूल उड़ने लगेगी, तो गांव में प्रदूषण के वास्तविक स्तर का पता कैसे चल पाएगा। ग्रामीणों का मानना है कि कुछ घंटों या दिनों की जांच के बजाय निरंतर निगरानी की व्यवस्था ही प्रदूषण की वास्तविक स्थिति सामने ला सकती है। ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में लंबे समय से क्रशरों और अन्य औद्योगिक गतिविधियों से उड़ने वाली धूल परेशानी का कारण बनी हुई है। धूल के कारण लोगों को सांस संबंधी और अन्य



स्यालोदड़ा गांव में लंबे समय से बनी हुई धूल प्रदूषण की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है।

स्वास्थ्य समस्याओं की आशंका बनी रहती है। क्षेत्र में धूल जनित बीमारियों की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। ग्रामीणों ने कई लोगों की मौत का भी उल्लेख करते हुए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंता जताई है। हालांकि, किसी बीमारी या मृत्यु का सीधा कारण प्रदूषण है या नहीं, इसकी पुष्टि चिकित्सकीय जांच के बाद ही हो सकती है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया, तो भविष्य में इसके गंभीर दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं। धूल प्रदूषण का असर केवल लोगों के

स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे पेयजल, कृषि, खाद्य श्रृंखला और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। इसके बावजूद ग्रामीणों को समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कार्रवाई का इंतजार है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग से स्यालोदड़ा में स्थायी रूप से धूल मापक अथवा वायु गुणवत्ता मापक यंत्र स्थापित करने की मांग की है। उनका कहना है कि गांव में ऐसा यंत्र लगाया जाए, जो दिन-रात प्रदूषण के स्तर की वास्तविक समय में निगरानी कर सके। इसके आंकड़ों की नियमित

समीक्षा की जाए, ताकि प्रदूषण की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो और निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के खिलाफ समय पर कार्रवाई की जा सके। ग्रामीणों के अनुसार, केवल कुछ दिनों के लिए मशीन लगाकर जांच करना पर्याप्त नहीं है। इसके बजाय अचानक निरीक्षण, नियमित जांच और स्थायी निगरानी की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए, ताकि जांच के दौरान क्रशर बंद कर वास्तविक स्थिति छिपाने की आशंका न रहे। साथ ही, निगरानी से प्राप्त आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं, जिससे ग्रामीणों

■ **ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग से स्यालोदड़ा में स्थायी रूप से धूल मापक अथवा वायु गुणवत्ता मापक यंत्र स्थापित करने की मांग की**

को भी अपने क्षेत्र की वायु गुणवत्ता की वास्तविक जानकारी मिल सके। लोगों ने जिला प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण विभाग और संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि स्यालोदड़ा में स्थायी प्रदूषण मापक यंत्र स्थापित कर उसकी नियमित मॉनिटरिंग और समीक्षा सुनिश्चित की जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि यह किसी राजनीतिक दल का मुद्दा नहीं, बल्कि गांव के लोगों के स्वास्थ्य, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए प्रभावी कदम उठाने की अपील की है, ताकि क्षेत्र में धूल प्रदूषण पर नियंत्रण हो सके और लोगों को स्वच्छ हवा में सांस लेने का अधिकार मिल सके।

रावतभाटा में 290 किलो अफीम डोडा-चूरा बरामद, कार छोड़ तस्कर फरार हुये

पुलिस टीम ने कार से फर्जी नंबर प्लेट्स भी बरामद की

रावतभाटा, (निसं)। नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ जिला चित्तौड़गढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत भैसरोड़गढ़ थाना पुलिस ने श्रीपुरा भुंजर घाटे पर नकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार आती हुई दिखाई दी। पुलिस की नकाबंदी देखकर कार चालक घबरा गया और कार को तुरंत मोड़कर भुंजर गांव की तरफ तेजी से भगाने लगा। मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने संदेह होने पर बिना समय गंवाया तत्परता दिखाते हुए वाहन का पीछा किया, खुद को पुलिस से घिरा देख तस्करो ने भुंजर घाटे की

भैसरोड़गढ़ थानाधिकारी कमल चंद मोणा ने जानकारी देते हुए बताया कि रिविवार तड़के विशेष पुलिस टीम द्वारा श्रीपुरा भुंजर घाटे पर नकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार आती हुई दिखाई दी। पुलिस की नकाबंदी देखकर कार चालक घबरा गया और कार को तुरंत मोड़कर भुंजर गांव की तरफ तेजी से भगाने लगा। मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने संदेह होने पर बिना समय गंवाया तत्परता दिखाते हुए वाहन का पीछा किया, खुद को पुलिस से घिरा देख तस्करो ने भुंजर घाटे की

चढ़ाई पर कार को बंद कर दिया। इसके बाद चालक और उसका साथी कार से कूदकर सड़क किनारे स्थित घने जंगल की ओर भाग गए। पुलिस टीम ने आसपास की पहाड़ियों और जंगलों में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन घने जंगल की आड़ लेकर तस्कर अंधेरे में भाग गये।

पुलिस टीम ने मौके पर जप्त कार की सघन तलाशी ली, तो कार में से 290 किलोग्राम 210 ग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद हुआ। इसके साथ ही कार के अंदर से 6 फर्जी नंबर प्लेट्स भी जब्त की गई, जिन पर

तीन अलग-अलग पंजीकरण क्रमांक अंकित थे। इससे अंदेशा जताया जा रहा है कि तस्कर नाकों और टोल प्लाजा पर पुलिस को गुमराह करने के लिए फर्जी नंबर प्लेट्स बदलकर तस्करी को अंजाम देते थे। भैसरोड़गढ़ थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर बरामद माल व कार को जप्त किया गया। पुलिस अब जब कार के चेसिस व इंजन नंबर के आधार पर उसके वास्तविक मालिक, फरार तस्करो के ठिकानों तथा इस पूरे अवैध नशा आपूर्ति नेटवर्क की कड़ियों को खंगालने में जुटी हुई है।

चोरी के दो आरोपी पकड़े

पूंगल, (निसं)। पुलिस ने 26 सितंबर को हुई चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनसे चोरी का सामान भी बरामद कर लिया है। भीमसेन मेचवाल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके बंद मकान के ताले तोड़कर करीब 6 लाख रुपये के आभूषण चोरी कर लिए गए थे। पुलिस ने जांच के बाद पूंगल निवासी हितेश गिरी और दिनेश नायक को पकड़ा।

जोधपुर रेलवे स्टेशन पर कैटरिंग स्टॉलों का निरीक्षण

जोधपुर, (कासं)। स्वच्छता अभियान के तहत जोधपुर रेलवे स्टेशन पर कैटरिंग स्टॉलों का निरीक्षण कर यात्रियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण खान-पान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान स्टॉलों की साफ-सफाई, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, खाद्य पदार्थों के रखरखाव और स्वच्छता मानकों की पालना की जांच की गई।

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को स्वच्छ वातावरण के साथ सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खान-पान उपलब्ध कराना रेलवे की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी क्रम में कैटरिंग स्टॉलों की नियमित जांच की जा रही है। संचालकों को खाद्य सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखने, निर्धारित स्वच्छता मानकों की पालना

करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान स्टॉल परिसर, काउंटर, खाद्य सामग्री रखने की जगह तथा आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया। कैटरिंग कर्मचारियों को स्वच्छता बनाए रखने तथा यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

कैप्टिव ब्रीडिंग से तैयार दो गोडावण पहली बार प्राकृतिक पर्यावास में रिलीज़ किये

री-वाइल्डिंग एवियरी में चौबीस घंटे निगरानी के बाद जंगल में विचरण करेंगे गोडावण

पोकरण, (नि.सं.)। थार के रेगिस्तान जैसलमेर में राज्य पक्षी गोडावण के संरक्षण की दिशा में रविवार को एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई। सम क्षेत्र स्थित डेजर्ट नेशनल पार्क की सुदासरी रेंज में पहली बार कैप्टिव ब्रीडिंग से तैयार किए गए दो गोडावणों को प्राकृतिक पर्यावास में फ्री रिलीज किया गया। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की मौजूदगी में दोनों गोडावणों ने प्राकृतिक वातावरण में आजादी की उड़ान भरी। इस अवसर पर वन राज्य मंत्री संजय शर्मा, डीजी फॉरेस्ट संतोष तिवारी सहित वन विभाग एवं भारतीय वन्यजीव संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। वहीं गत शनिवार को जैसलमेर जिले के सुदासरी में पहली बार ब्रीडिंग सेंटर (प्रजनन केंद्र) में पले-बढ़े गोडावणों को उनके प्राकृतिक पर्यावास (नेचुरल हैबिटेट) में रिलीज किया गया था। विलुप्त हो रहे गोडावण को बचाने के लिए अथक प्रयास करने का नतीजा है कि शनिवार को गोडावण को री-वाइल्डिंग एवियरी में छोड़ा गया। पहले यह चौबीस घंटे निगरानी में रहेंगे, इसके बाद जंगल में पहले की तरह विचरण करेंगे।

गोडावण संरक्षण अभियान के लिए यह कदम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ब्रीडिंग सेंटर में नियंत्रित



रामदेवरा स्थित सुदासरी में गौडावण को केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने रिलीज किया।

वातावरण में तैयार किए गए गोडावणों को पहली बार सीधे उनके प्राकृतिक पर्यावास में छोड़ा गया है। रिलीज से पूर्व दोनों गोडावणों की करीब दो से तीन माह तक री-वाइल्डिंग टनल में प्राकृतिक जीवन के लिए तैयार किया गया। इस दौरान उन्हें खुले वातावरण में उड़ान भरने, स्वयं भोजन तलाशने तथा प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुरूप व्यवहार करने का अभ्यास कराया गया। स्वास्थ्य एवं व्यवहार संबंधी परीक्षणों में पूरी तरह स्वस्थ पाए जाने के बाद

दोनों गोडावणों को प्राकृतिक पर्यावास में रिलीज करने का निर्णय लिया गया। रिलीज किए गए दोनों गोडावणों को जीपीएस टैग लगाया गया है। जीपीएस टैग के माध्यम से भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिक उनकी गतिविधियों पर 24 घंटे नजर रखेंगे। इसके जरिए उनकी लोकेशन, उड़ान, भोजन की तलाश, मूवमेंट, सुरक्षित ठिकानों और प्राकृतिक व्यवहार की लगातार निगरानी की जाएगी। विशेष रूप से हाईड्रेशन बिजली लाइनों वाले क्षेत्रों में उनकी

गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा शिकारियों से संभावित खतरे तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानवीय जोखिमों की भी निगरानी की जाएगी, ताकि रिलीज के बाद गोडावणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

वैज्ञानिकों द्वारा जीपीएस टैग के माध्यम से जुटाए जाने वाले आंकड़े गोडावणों के प्राकृतिक व्यवहार और पर्यावास में उनके अनुकूलन को समझने में महत्वपूर्ण साबित होंगे। इन आंकड़ों के आधार पर भविष्य में

■ **गत शनिवार को सुदासरी में पहली बार ब्रीडिंग सेंटर (प्रजनन केंद्र) में पले-बढ़े गोडावणों को उनके प्राकृतिक पर्यावास (नेचुरल हैबिटेट) में रिलीज किया गया था**

कैप्टिव ब्रीडिंग से तैयार किए जाने वाले अन्य गोडावणों को भी प्राकृतिक पर्यावास में रिलीज करने की रणनीति तैयार की जाएगी। गोडावण संरक्षण और वन विभाग पिछले करीब एक दशक से लगातार कार्य कर रहे हैं। कैप्टिव ब्रीडिंग, वैज्ञानिक निगरानी और री-वाइल्डिंग की दिशा में किए गए लंबे प्रयासों के बाद अब पहली बार ब्रीडिंग सेंटर में तैयार गोडावणों को प्राकृतिक पर्यावास में छोड़ने की उपलब्धि हासिल हुई है।

सुदासरी में हुई यह ऐतिहासिक रिलीज थार के संकटग्रस्त राज्य पक्षी गोडावण को बचाने की मुहिम में नए और महत्वपूर्ण चरण की शुरुआत मानी जा रही है।

बीकानेर के बहुचर्चित राकेश हत्याकांड के छह दोषियों को उम्रकैद

कोर्ट ने प्रत्येक दोषी पर 20-20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया

बीकानेर, (निसं)। यहां छह साल पहले पुरानी रंजिश को लेकर युवक की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। बहुचर्चित राकेश हत्याकांड में अपर सत्र न्यायालय संख्या-5 की जज मधु हिसारिया ने मामले की सुनवाई पूरी की। कोर्ट ने सभी 6 आरोपियों को दोषी ठहराया और उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही प्रत्येक दोषी पर 20-20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

■ **जांच में सामने आया था कि राकेश को आरोपियों ने जबरन रोक लिया और उसका अपहरण कर सुखाराम के घर ले गए, जहां उसे बांधकर पीटा था**

फैसले के समय मुख्य आरोपी सुखाराम और प्रहलाद पहले से ही न्यायिक अभिरक्षा में जेल में बंद थे, जबकि अन्य चार आरोपी श्रवणचंद, मुकेश, पुष्पा देवी और मंजू देवी जमानत पर बाहर चल रहे थे। अदालत ने चारों की जमानत निरस्त कर दी और उन्हें तुरंत हिरासत में लेकर जेल भेजने के आदेश दिए। सभी दोषियों के सजा वारंट तैयार कर दिए गए हैं। जांच में सामने आया था कि राकेश को आरोपियों ने जबरन रोक लिया और उसका अपहरण कर सुखाराम के घर ले गए, जहां उसे बांधकर पीटा था।

अपर लोक अभियोजक शिवशंकर स्वामी ने मामले की पैरवी की। उन्होंने बताया कि घटना 19 जून 2021 की रात करीब 11:30 बजे की है। गीगासर गांव में रामदेवजी मंदिर के पास से गुजर रहे युवक राकेश को आरोपियों ने जबरन रोक लिया और उसका अपहरण कर सुखाराम के घर ले गए।

वहां आरोपियों ने उसे रस्सियों से बांध दिया और लाठियों-सरियों से ताबड़तोड़ हमला कर बेरहमी से पीटा। मारपीट की भनक लगते ही राकेश का भाई महावीर प्रसाद और परिजन मौके पर पहुंचे। उन्होंने राकेश को आरोपियों

के चंगुल से छुड़ाया और गंभीर हालत में देशनोक हॉस्पिटल ले गए। वहां से उसे बीकानेर के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई की रिपोर्ट पर 20 जून 2021 को देशनोक थाने में मामला दर्ज हुआ, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में केस पेश किया।

कोर्ट ने प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, घटनास्थल के नक्शे और आरोपियों से बरामद लाठियों व रस्सी जैसे ठोस सबूतों के आधार पर अभियोजन पक्ष के दावों को विश्वसनीय माना। इसके अलावा कोर्ट ने मृतक के आश्रितों को पीड़ित प्रतिकर (मुआवजा) दिलाने के लिए फैसले की प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बीकानेर को भेजने के निर्देश दिए। अदालत ने दोषियों को आजीवन कारावास और 20-20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। हालांकि इसके अलावा विभिन्न धाराओं में 10-10 हजार रुपए जुर्माना और 7, 2 और 1 साल की सजा तय की गई है। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी।

सेल्समैन की मौत के बाद परिजनों का हंगामा

भीलवाड़ा, (निसं)। लुधियाना में एक कंपनी में ड्यूटी कर रहे सेल्समैन पंकज तिवारी की साइलेंट अटेक से मौत हो गई। घटना के चार दिन बाद, मृतक के परिजनों और स्थानीय निवासियों ने

भीलवाड़ा स्थित टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन ऑफिस के बाहर एकत्रित होकर जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। परिजनों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश जताते हुए उचित

मुआवजे की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और उठा भीड़ को समझाने व स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास में जुट गई।

केमिकल से भरा टैंकर पलटा, आग लगने से ड्राइवर जिंदा जला

हादसे के दौरान चालक का भांजा टैंकर से सुरक्षित बाहर निकला

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में एनएच-48 पर रविवार शाम चार बजे गोंगा फला के पास तेज रफ्तार केमिकल टैंकर बेकाबू होकर पलट गया। टैंकर के पलटते ही उसमें आग लग गई और देखते ही देखते लपटों ने विकराल रूप ले लिया। टैंकर में फंसे ड्राइवर राजाराम चौहान (26) की जिंदा जलने से मौके पर मौत हो गई, जबकि उसका भांजा जगदीश मोर्य (18) और सड़क पर पलट गया टैंकर के पलटते ही उसमें भरा एसिड सड़क पर फैल गया और आग लग गई। एसिड जहां-जहां गिरा, वहां भी धुआं उठने

■ **केमिकल टैंकर बड़ौदा से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहा था, बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में एनएच-48 के गोंगा फला के पास हादसा हुआ**

लग गई और यातायात बाधित हो गया। बिछीवाड़ा थानाधिकारी देवेंद्र देवल ने बताया कि रविवार दोपहर बाद केमिकल टैंकर बड़ौदा से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहा था। गोंगा फला के पास अचानक टैंकर बेकाबू हो गया और सड़क पर पलट गया। टैंकर के पलटते ही उसमें भरा एसिड सड़क पर फैल गया और आग लग गई। एसिड जहां-जहां गिरा, वहां भी धुआं उठने

लगा। कुछ ही देर में आग की लपटें और धुआं तेजी से बढ़ने लगा। हादसे के दौरान ड्राइवर राजाराम चौहान टैंकर के अंदर फंस गया। आग की चपेट में आने के कारण वह बाहर नहीं निकल सका और जिंदा जलने से उसकी मौत हो गई। वहीं, उसका हेलपर भांजा जगदीश मोर्य हादसे के बाद टैंकर से बाहर निकल आया, जिससे उसकी जान बच गई। वह हादसे में घायल

हुआ है, जिसे पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। दोनों मध्यप्रदेश के धार जिले के पूरा टांडा गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही डूंगरपुर से फायर ब्रिगेड को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझने के बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त टैंकर को सड़क से हटवाया और यातायात को धीरे-धीरे सुचारु कराया। हादसे के कारण हाइवे पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। पुलिस अब हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

भीलवाड़ा के आरजिया गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में विवाद

हमलावरों ने दहशत फैलाने की नियत से दो से तीन राउंड हवाई फायर कर दिए

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडल थाना क्षेत्र के आरजिया गांव में शनिवार को जमीन के एक टुकड़े को लेकर दो गुट आपस में भिड़ गए। कहासुनी से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते तनातना बढ़ गया कि हमलावरों ने दहशत फैलाने की नियत से दो से तीन राउंड हवाई फायर कर दिए। फायरिंग की आवाज से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और तनाव के हालात पैदा हो गए। सूचना मिलते ही मांडल थाना पुलिस भारी जाबो के साथ मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने मौके से दो मुख्य संदिग्धों को हिरासत में ले लिया।

■ **पुलिस ने भीड़ के बीच फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और मौके से दो मुख्य संदिग्धों को हिरासत में ले लिया**

पुलिस के अनुसार, सुभाष नगर क्षेत्र से कुछ लोग जमीन से जुड़े एक मामले को लेकर आरजिया गांव पहुंचे थे। वहां स्थानीय परिवार के साथ उनकी कहासुनी हो गई। बहस बढ़ती देख भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और बाहर से आए लोगों की घेराबंदी कर ली। खुद को घिरता देख आरोपियों ने पिस्टल से हवाई फायरिंग कर दी,

जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने भीड़ के बीच फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और मौके से ही दो मुख्य संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। गनीमत रही कि इस वारदात में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस फिलहाल आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है तथा मामले की जांच जारी है।

युवती को बाइक ने टक्कर मारी, दोनों घायल

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के रामपुरा स्टैंड पर रविवार सुबह सड़क पार कर रही युवती को सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक और युवती दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों को झुंझुनूं जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

त्यौदा निवासी आंचु (17) पुत्री कृष्ण कुमार रविवार सुबह करीब 10 बजे आरएससीआईटी की परीक्षा देने के लिए खेतड़ी स्थित राजकीय जयसिंह स्कूल जा रही थी। रामपुरा स्टैंड पर बस में बैठने के लिए वह सड़क पार कर रही थी। इसी दौरान बाइक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार कुर्दंड निवासी रामजीलाल (42) पुत्र प्रभातीलाल और आंचु दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसा होते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को उपचार के लिए मेहाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद 108 एंबुलेंस से दोनों को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों की टीम ने जांच एवं उपचार के बाद दोनों को झुंझुनूं रेफर कर दिया।

थी। इसी दौरान सामने से तेज गति से आ रही बाइक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार कुर्दंड निवासी रामजीलाल (42) पुत्र प्रभातीलाल और आंचु दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसा होते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को उपचार के लिए मेहाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद 108 एंबुलेंस से दोनों को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों की टीम ने जांच एवं उपचार के बाद दोनों को झुंझुनूं रेफर कर दिया।

आयोजना एवं परिवेक्षण निदेशालय महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर
क्रमांक: जीपीएच/सीसी/गन्धक्रीडि/निधिवा-01/2026-27/1527 दिनांक 03/10/2026
ई-निधिवा सूचना-01 (2026-27)
निदेशक, आयोजना एवं परिवेक्षण निदेशालय, म.प.प्रौ.वि.वि., उदयपुर की ओर से कवर प्रिन्टिंग कार्य करने हेतु (अनुमानित लागत रु. 25 लाख), यूईवन्द निधिवा आयोजित की जाती है।। संस्तुत शर्त एवं विस्तृत विवरण www.eproc.raajasthan.gov.in, www.sppp.raajasthan.gov.in एवं www.mpuat.ac.in पर देखा जा सकता है।
निदेशक आयोजना एवं परिवेक्षण निदेशालय
UBN No. ATU2627/SL0800202